

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

तत्त्वज्ञान (वर्ष : 2020)

दिनांक : दिनांक : 21-12-2020

समय सीमा : 3 घंटा

पांचवां वर्ष : द्वितीय प्रश्न पत्र

पूर्णांक : 100

नव पदार्थ-निर्जरा बंध और मोक्ष-50

- प्र. 1 किन्हीं आठ प्रश्नों के उत्तर एक या दो लाईन में लिखें— 16
- निर्जरा-किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर एक या दो लाईन में लिखें—
- (क) निर्जरा व वेदना में क्या अंतर है?
- (ख) भिक्षाचर्या का एक भेद प्रगृहीता का क्या तात्पर्य है?
- (ग) भिक्षाटन का एक प्रकार संहियमाण चरक से आप क्या समझते हैं?
- (घ) अनशन आदि प्रथम चार तपों में परस्पर क्या अंतर है?
- (ङ) प्रायश्चित्त तप के अन्तर्गत पारोचित शब्द का क्या तात्पर्य है?
- (च) लोकोपचार विनय के अन्तर्गत 'अभ्यासवर्तित्व' का अर्थ लिखें।
- बंध-किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखें—
- (छ) उमास्वाति ने किसे बंध का हेतु माना है तथा इसका उल्लेख किस सूत्र में है?
- (ज) जीव किन दो स्थानों से पापकर्म का बंध करता है तथा उसे किस सूत्र में कर्म का बीज बताया है?
- (झ) किस काल में कर्म फल नहीं देता तथा फलानुभव के काल को क्या कहते हैं?
- मोक्ष-किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखें—
- (ञ) मोक्ष के अभिवचन में शिव व सर्वदुःखप्रहीण शब्द का तात्पर्य लिखें।
- (ट) सिद्ध कहाँ जाकर स्थित होते हैं और कहाँ शरीर छोड़ते हैं?
- (ठ) समवायांग तथा उत्तराध्ययन में सिद्धों के कितने गुण बताए हैं प्रथम पांच गुणों के नाम लिखें।
- प्र. 2 निम्न प्रश्नों के उत्तर लिखें— 10
- (क) निर्जरा-स्वाध्याय तप के कितने प्रकार हैं? स्पष्ट करें। **अथवा** कर्मों के परिणामन से जीव में कितने प्रकार के पारिणामिक भाव उत्पन्न होते हैं?
- (ख) बंध व मोक्ष-बंधे हुए कर्मों से कौन-कौन सी स्थितियाँ घट सकती हैं? **अथवा** आचारांग सूत्र के अनुसार सिद्ध जीव के स्वरूप का वर्णन करें।
- प्र. 3 निम्न प्रश्नों के उत्तर विस्तार पूर्वक लिखें— 24
- (क) निर्जरा-सहज निर्जरा, सकाम निर्जरा, अकाम निर्जरा के स्वरूप का विवेचन करें। **अथवा** अन्तराय कर्म के क्षयोपशम से जीव क्या प्राप्त करता है?
- (ख) बंध और मोक्ष-बंध की परिभाषा व स्वरूप का विवेचन करते हुए बताएं कि कौन से गुणस्थान में कौन से बंध हेतु विद्यमान रहते हैं? **अथवा** कर्मों के सम्पूर्ण क्षय की प्रक्रिया लिखें।

अवबोध (तप धर्म से बंध व विविध तक)-30

प्र. 4 किन्हीं नौ प्रश्नों के उत्तर एक दो वाक्य में दीजिए-

18

- (क) आत्म प्रदेश अधिक हैं या कर्म प्रदेश?
- (ख) क्या चौदहवें गुणस्थान में जीव कर्म मुक्त हो जाता है?
- (ग) कर्म का उदय चल रहा है किंतु उसका बंध नहीं होता, ऐसा समय कभी आता है?
- (घ) द्रव्य करण किसे कहते हैं?
- (ङ) उदीरणा किसे कहते हैं?
- (च) उपशम कर्म की एक अवस्था है, फिर वह शुभ है या अशुभ, सावध है या निरवध?
- (छ) निधत्ति व निकाचित में क्या अंतर है?
- (ज) पुरुषार्थ को कारण क्यों कहा गया है?
- (झ) कर्म रूपी आत्मा अरूपी है। रूपी व अरूपी का सम्बंध कैसे संभव है?
- (ञ) वीतराग कौन होता है?
- (ट) भाव शून्य क्रिया कहाँ होती है?

प्र. 5 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर विस्तार से लिखें-

12

- (क) मोक्ष मार्ग में भाव को अतिरिक्त महत्व क्यों दिया गया है तथा क्या चक्रवर्ती भरत को अपने महल में केवलज्ञान की उपलब्धि भावों से हुई?
- (ख) सन्निपातिक के कितने भंग हो सकते हैं?
- (ग) आत्मा चेतन पर कर्म जड़ का प्रभाव कैसे पड़ता है, निर्जरित कर्म वर्गणा चतुःस्पर्शी ही रहती है या अष्टस्पर्शी भी हो सकती है?
- (घ) क्षेत्र करण किसे कहते हैं तथा संलग्न आकाश प्रदेश स्थित पुदगलों से अधिक पुदगल वर्गणा को ग्रहण करना हो, तो वहां क्या होगा?

श्रावक-संबोध-20

प्र. 6 कोई चार पद्य लिखें-

12

- (क) त्रिपदी (उत्पाद, व्यय, ध्रौव्य) वाला पद्य लिखें।
- (ख) संयुक्त परिवार प्रथा का जिसमें वर्णन है, उस पद्य को लिखें।
- (ग) जिस पद्य में बादर दुलह की दक्षता वर्णित है, वह पद्य लिखें।
- (घ) लालजी की पत्नी लाल जी से क्या कहती है, वह पद्य लिखें।

- (ड) जैन संस्कार विधि उपलब्ध है, वहां कहां और कैसे उपयोगी बनती है, संबंधित भाव वाला पद्य लिखें।
(च) जिस पद्य में सुदर्शन की साहस गाथा वर्णित है, उस पद्य को लिखें।

प्र. 7 किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए—

8

- (क) स्याद्वाद पद्धति में एक वस्तु में निश्चित रूप से पाए जाने वाले विकल्प कौन-कौन से हैं?
(ख) कौन से दो व्यक्ति रात भर प्रश्न पूछते रहे, आचार्य भिक्षु उत्तर देते रहे, किस शहर में यह घटना हुई?
(ग) भगवान महावीर के साधु साधवियों की प्रथम शय्यातरी कौन थी, वह किस नगरी में रहती थी? वह किसकी बहन व किसकी बुआ थी?
(घ) किस आचार्य ने अपने उत्तराधिकारी की नियुक्ति के समय किस श्रावक से परामर्श किया था?
(ड) 'आणाए मामगं धम्मं' का भावार्थ लिखें।
(च) प्रतिक्रमण से जुड़ा हुआ दूसरा उपक्रम क्या है, इससे किसका शोधन हो जाता है तथा यह किसे स्वस्थ बनाने का एक अनुभूत प्रयोग है?